पाठ-योजना (CURRICULUR PLANNER)

प्रोग्राम का नाम (PROGRAME NAME): BA(H) HJM (SEM 1)

कोर्स का नाम COURSE NAME : हिंदी पत्रकारिता का इतिहास

सेमेस्टर की अवधि : जुलाई से नवंबर 2019

सप्ताह	पाठ / अध्याय	शिक्षण पद्धति/आंतरिक मूल्यांकन
1	इकाई 1 : स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता 1. हिंदी पत्रकारिता का सामान्य परिचय, हिन्दी प्रेस का उदय और विकास	विषय आधारित व्याख्यान सामूहिक चर्चा स्मार्ट क्लासरूम का प्रयोग प्रोजेक्ट प्रस्तुति टेस्ट एवं असाइनमेंट लिखित परीक्षा विशेष रिपोर्ट बनवाना
2	2. स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका और सामाजिक जीवपन पर उसका प्रभाव 3. स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्र-पत्रिकाओं की तकनीकी , प्रबंधन और चुनौतियाँ	
3	4. स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के विषय और भाषा	
4	इकाई 2 : स्वतंत्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता 1. स्वतंत्रता पश्चात हिंदी की प्रमुख पत्र - पत्रिकाएँ और पत्रकार	
5	2. स्वतंत्रता पश्चात् हिंदी पत्रकारिता का विकास, प्रेस सम्बंधी सरकारी नीतियां	
6	3. लोकतंत्र, विकास की चुनौतियाँ और हिंदी प्रेस	
7	4.पत्रकारिता का तकनीकी विकास	
8	सेवा शर्ते ,पत्रकार वेजबोर्ड	
9	इकाई 3 : आपतकाल और उसके बाद की हिंदी पत्रकारिता 1. आपतकाल और हिंदी पत्रकारिता	
10	2. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम: आकशवाणी,दूरदर्शन, बी बी सी , रेडियों हिंदी सेवा	
11	3. कंटेट, भाषा और तकनीकी बदलाव(ले-	

	आउट,डिजाइन, मुद्रण इत्यादि)	
12	**मिड सेमेस्टर ब्रेक**	
13	4. क्षेत्रीय हिंदी पत्रकारिता	विषय आधारित व्याख्यान सामूहिक चर्चा स्मार्ट क्लासरूम का प्रयोग प्रोजेक्ट प्रस्तुति टेस्ट एवं असाइनमेंट लिखित परीक्षा विशेष रिपोर्ट बनवाना
14	इकाई 4 : भूमंडलीकरण और हिंदी पत्रकारिता 1. भूमंडलीकरण, उदारीकरण और निजीकरण के दौर में हिंदी पत्रकारिता	
15	2.हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां एवं ज्वलंत मुद्दे- सामाजिक न्याय, नागरिक अधिकार,पर्यावरण, इन्फोटेनमेंट,स्त्री,दलित, आदिवासी, वंचित वर्ग तथा ग्रामीण समाज के मुद्दे	
16	3. हिंदी पत्रकारिता की समस्याएँ और चुनौतियाँ , न्यूज़ उत्पाद, पैकज, पेड न्यूज़, विज्ञापन और अख़बार	
17	4. ऑनलाइन हिंदी पत्रकारिता: हिंदी ब्लॉग, हिंदी न्यूज़ पोर्टल, यूट्यूब चैनल इत्यादि	
18	सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ	
19		
परिणाम (OUTCOMES) : हिंदी पत्रकारिता के इतिहास से अवगत होना पत्रकारिता के शुरूआती दौर में आने वाली चुनौतियों की जानकारी होना		